कोटा से अजमेर तक बड़ी रेल लाइन

1965. श्री एस० के० शारदा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कोटा से अजमेर तक बडी रेल लाइन बिछाने के बारे मे बनाई गई योजना के कार्यान्वियन मे कितनी प्रगति हुई है और यह लाइन कब तक बिछाई जायेगी ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : हाल के वर्षों मे कोटा और अजमेर के बीच नई रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोई सर्वेक्षण नही किया गया है और ससाधनो की कमी के कारण इस प्रस्ताव पर फिलहाल विचार करना सम्भव न हो पायेगा ।

Extension of Electric Traction upto Berhampore (Eastern Railway)

1966. SHRI SASANKASEKHAR SANYAL. Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether electric traction for Railways which now exists between Sealdah and Krishnagar on the Sealdah-Lalgola Section of the Eastern Railway is proposed to be extended further North at least upto Berhampore Court Station—headquarters town of the district of Murshidabad—to start with;

(b) whether he is aware that public demand in this behalf is pending with the Government for quite a long time; and

(c) what are the difficulties in the way of making a beginning in this behalf?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) No.

(b) Yes.

(c) Sufficient capacity is available with the existing form of traction between Krishnanagar City and Berhampore Court to cope with the anticipated increase in traffic in the foreseeable future Investment on electric traction on this section therefore, is not financially justified.

मुगलसराय जंक्शन के रेल कर्मचारियों के लिए नगर भत्ता तथा अन्य सुविधायें

1967. श्री नरसिंह यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मुगलसराय जकशन पर काम करने वाले रेल कर्मचारियों को वही नगर भत्ता तथा अन्य सुविधायें देने का प्रस्ताव है जो कि वाराणसी नगर महापालिका (नगरपालिका) के क्षेत्र मे रहने वाले रेल कर्मचारियों को मिल रही है जब कि मुगलसराय क्षेत्र मे जीवन-निर्वाह वाराणसी नगर महापालिका क्षेत्र की तुलना में महंगा पडता है, और

(ख) मुगलसराय जकशन के इन कर्मचारियो को बिजली तथा पानी की सुविधायें कब तक उपलब्ध करा दी जायेगी जो कि इस्लामपुर, तेजपुर, बेचूपुर तथा रेलवे की कालोनियो के समीप अन्य गांवों में रह रहे है तथा बिजली और पानी की सुविधाओं से वंचित हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते):(क) जी नही ।

(ख) जो क्षेत्र रेलवे की सीमा में नहीं आते हैं, उनके लिए पानी और बिजली की

'व्यवस्था करने का काम रेलवे द्वारा नहीं किया जा सकता ।

Pharmacists working at Lucknow (Northern Railway)

1968 SHRI C K CHANDRAPPAN Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether some pharmacists working in Northern Railway, Lucknow were given higher responsibility and grade of Rs 205—280 (AS) with the concurrence of the Divisional Authorities i e D M O , D A O and D S Northern Railway, Lucknow and

(b) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) (a) and (b) In the Lucknow Division of the Northern Railway, one post of Pharmacist in grade Rs 60—130(PS) was revised to Gr 150—225(PS)/205—280(AS) from 1-4-56 arrears being payable from 1-4-57 Similar upgradation was also effected in the other six Divisions on that Railway The posts of Pharmacists in Grade 205—280 were controlled by the headquarters of the Northern Railway till 26-3-65 after which it was decided that the posts in this grade would be controlled by the Divisions Accordingly, the orders for the revision of the grade were issued by the headquarters office on 22-3-63 promoting seven senior most Pharmacists against the seven upgraded posts including the one on Lucknow Division with retrospective effect from 1-4-56 On this basis, an eligible employee who was promoted against the upgraded post on Lucknow Division was given benefit for the period 1-4-56 to 30-6-61 whereafter he retired from service

Against this post in grade 205—280 (AS), another employee was promoted w e f 3-3-65 after passing the suitability test During the period 1-7-61 to 2-3-65 he was actually working in the lower grade of 130—240(AS) and he was also not due promotion on the basis of overall seniority of Pharmacists on the Railway as a whole However erroneously he was allowed arrears in Gr 150—225(PS)/205 -280 (AS) for the period 1-7-61 to 2-3-65 resulting in overpayment to this employee which the Railway Administration has decided to recover

मुरादाबाद-काशीपुर छोटी लाइन को बडी लाइन में बदलना

1969 श्री भारत भूषण : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मुरादाबाद-काशीपुर छोटी लाइन को बडी लाइन मे बदलने का कार्य कब तक पूरा हो जायेगा , और

(ख) क्या कुमाऊ पर्वतीय क्षेत्र को पर्यटन आकर्षण के लिए विकसित करने तथा उस क्षेत्र के उत्पादो के परिवहन के लिए वहां कोई रेलवे लाइन बनाने की योजना है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) मुरादाबाद-रामनगर मीटर लाइन को बडी लाइन मे बदलने का काम चल रहा है । लेकिन धन की सीमित उपलब्धता के कारण इस समय इस कार्य के पूरा होने की निश्चित तारीख बताना कठिन है ।

(ख) जी हां ।